# University in News on 10 May 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# कृषि पाठ्यक्रम में आपदा प्रबंधन भी शामिल

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार पाठ्यक्रमों को अंतिम रूप देने में लगा है। इसी कड़ी में विवि द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की गाइडलाइन के तहत तैयार संशोधित कृषि पाठ्यक्रम को कृषि संकाय फैकल्टी बोर्ड ने हरी झंडी दे दी है, जिसमें विशेष रूप से रोजगार सृजन को ध्यान में रखा गया है। साथ ही आपदा प्रबंधन को भी शामिल किया गया है। अब यह पाठ्यक्रम विद्या परिषद एवं कार्य परिषद से संस्तुति मिलने के बाद नए सत्र से प्रभावी हो जाएगा।

कृषि स्नातक पाठ्यक्रम को नई शिक्षा नीति के अनुसार संशोधन तथा रोजगार परक विषयों को शामिल करने के लिए आहूत फैकल्टी बोर्ड बैठक की अध्यक्षता डीन साइंस प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने की। पाठ्यक्रम संरचना प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ला, समन्वयक कृषि शिक्षा, वनस्पति विज्ञान विभाग ने प्रस्तुत की। प्रो. शुक्ला ने पूर्व में लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं इंचार्ज तथा कई कृषि विश्वविद्यालयों से संपर्क कर इसे अंतिम रूप दिया है, जिस पर सभी ने सहमति जताई। बैठक में लविवि की डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, चंद्रभानु गुप्ता कृषि स्नातकोतर महाविद्यालय बख्शी का तालाब, महेश प्रसाद डिग्री कॉलेज मोहनलालगंज एवं भालचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट दुबग्गा के प्राचार्य एवं इंचार्ज आदि उपस्थित थे।

लविवि : एनईपी के अनुसार कृषि पाठ्यक्रम को फैकल्टी बोर्ड की हरी झंडी

## कृषि की पढ़ाई कराने वाले कॉलेज बढ़े

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय 2009 से अपने यहां कृषि विषय का संचालन महाविद्यालयों में कर रहा है। हाल में लखनऊ विश्वविद्यालय का दायरा रायबरेली, हरदोई, सीतापुर एवं लखीमपुर जिलो में भी बढ़ गया है, जिसके बाद लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध 13 कॉलेज कृषि शिक्षा देने वाले हो गए हैं। वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के अंतर्गत कृषि संकाय भी संचालित है। चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बख्शी का तालाब के डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में सिर्फ चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोतर महाविद्यालय में परास्नातक की डिग्री दी जाती है। विश्वविद्यालय का दायरा बढ़ने से शामिल हुए 04 जिलों में भी कई कॉलेजों में कृषि पीजी के कोर्स संचालित हैं। इनके पाठ्यक्रमों को भी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के आधार पर परिवर्तन की आवश्यकता होगी।

### *लविवि : मां को समर्पित रहा स्पंदन का दूसरा दिन*

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन उत्सव स्पंदन का दूसरा दिन मां को समर्पित रहा। कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी माताओं को हाथ से बने उपहार भेंट किए। कुछ छात्रों की मां भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। इसके बाद छात्रों ने स्वामी विवेकानंद, जवाहरलाल नेहरू, अटल बिहारी वाजपेयी के विख्यात भाषण द्वारा डेक्लीमेशन प्रतियोगिता में प्रस्तुत किए गए। इसमें पहला पुरस्कार अंजलि सिंह, दूसरा पुरस्कार मोहम्मद बाकिर, तीसरा पुरस्कार आनंद मिश्रा को मिला। इसी क्रम में पीजी छात्रों को अपनी काव्य रचनाओं को सुनाने के लिए एक मंच दिया गया। इसमें अंग्रेजी और हिंदी के साथ-साथ अफगानिस्तान से संबंधित एक अंतरराष्ट्रीय छात्र द्वारा लिखी कविताएं भी थीं। इसमें प्रथम पुरस्कार अनुप्रिया, द्वितीय पुरस्कार हुमा खान, तृतीय पुरस्कार सत्यम सिंह को मिला। इसके बाद अंत्याक्षरी हुई, जिसमें पीजी की टीम विजेता रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. राकेश चंद्रा डीन एकेडमिक्स और निदेशक संस्कृतिकी रहे। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, प्रो. अमिता कनौजिया, प्रो. मनुका खन्ना, डॉ. राघवेंद्र सिंह, डॉ. शिखा चौहान, डॉ. अमित कुशवाहा मौजूद रहे।

लविवि छात्रों के ग्रुप ने अलीगंज व जानकारीपुर में किट का वितरण किया।

THE PIONEER PAGE 3

# Tagore Library at Lucknow University sets up huge e-lib

PNS ■ LUCKNOW

The Tagore Library of Lucknow University has set up a huge e-library of more than 9,273 e-books, 12 online databases and online journals of international publishers.

Giving this information, the LU spokesperson said the e-library was set up to facilitate students in the unprecedented COVID-19 pandemic times.

"Everything has come to a standstill. To protect humanity, we need to stay at home. But in that scenario, a lot of sectors have been severely affected. One of them is education. To overcome that the Tagore Library has taken some steps for the benefit of students," he said. The spokesperson said the key element in smooth running of education in today's scenario was the internet.

"The online journals of international publishers which have been provided include reputed names such as Springer-Nature, Elsevier, Taylor and Francis, Pearson, Proquest, Ebsco, LexisNexis, SCC online and so on. Besides, the library is also providing access to e-shodhsindhu services of the Inflibnet Centre, Gandhinagar to its users," he said. He said that these resources could be accessed via the IP address of the University of Lucknow within the campus and also off the campus through remote login.

"The online e-resources can directly be accessed either by clicking the link 'Access E Resources of Tagore Library' under the 'Online Study Materials for Students' on the homepage of Lucknow University or via Cyber Library page on the LU homepage under 'Library' hyperlink," he said. Incidentally, the Tagore Library has also extended its services to its community beyond the physical boundaries of the campus by providing them remote access facilities.

"This facility proved a boon to users as they could follow their academic pursuit during the crisis period. Users are making full use of the remote access facility. To date, 2,70,920 hits have been recorded as usage statistics for e-library via remote access. Requests for login credentials from users are being received continuously by the library. As of now, login credentials for more than 6,000 users have been generated," he said.